

(c) the justification for the creation of a Corporation to regulate the export trade when the same is managed by the private traders ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) No, Sir.

(b) Bananas valued at Rs. 37.29 lakhs were exported during the year 1970-71 and Rs. 10.70 lakhs during April to July 1970 by the private sector. No exports of bananas were affected by the public sector.

(c) Does not arise.

F. A. O. Consultative Committee on Tea

4814. SHRI SITARAM KESRI :
SHRI HIMATSINGKA :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether the second session of the Food and Agriculture Organisation Consultative Committee on tea was held in New Delhi recently ;

(b) if so, the issues discussed at the session and the decisions taken ; and

(c) the number the countries that participated in the session ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Yes, Sir.

(b) The main subjects discussed in the conference were : -

- (i) Short-term international action.
- (ii) Longer term arrangements.
- (iii) Promotion.

It was agreed that the global export quote for black tea in 1971 should be maintained at the same level as agreed in connection with the *ad hoc* arranged for 1970, with provision for a review meeting early in 1971, at which time addition export

quotas, not to exceed 10,000 tons should be allotted if this seemed justifiable by the market situation. Standing Group on Promotion was established to study ways and means of Promoting the consumption of tea in general, to examine the potentialities of various markets and suggest priorities for the allocation of promotional funds ; and to keep under review promotional matters generally and in individual countries.

(c) 29.

भारत में रेशम का उत्पादन

4815. श्री महाराज सिंह भारती : क्या वैदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संसार के रेशम के कुल उत्पादन का 55 प्रतिशत भाग जापान में, 25 प्रतिशत भाग चीन में और केवल 5 प्रतिशत भाग भारत में उत्पादित होता है ;

(ख) क्या रेशम के उत्पादन के लिए भारत की जलवायु संसार में सबसे अधिक उपयुक्त है और भारत में प्रत्येक स्थान पर विभिन्न प्रकार का रेशम उत्पादित हो सकता है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अपेक्षित प्रगति न होने के क्या कारण हैं ?

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उपमंत्री (चौधरी राम सेवक) : (क) कच्चे रेशम के कुल विश्वव्यापी उत्पादन में जापान का 55 प्रतिशत चीन का 23 प्रतिशत, सोवियत संघ का 8 प्रतिशत, भारत का 5 प्रतिशत और अन्य देशों का 9 प्रतिशत अंश है ।

(ख) हाहतूनी रेशम उत्पादन के लिए मैसूर के पठार, जम्मू तथा कश्मीर राज्य, हिमालय की तलहटी के राज्यों तथा पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ भागों

में तथा टसर के लिए बिहार, मध्य प्रदेश तथा उड़ीसा में और इरी तथा मुगा के लिए आसाम में जलवायु सम्बन्धी परिस्थितयां सर्वाधिक अनुकूल हैं।

(ग) भारत में रेशम उत्पादन अधिकांशतः मौसमी वर्षा पर निर्भर है और मैसूर राज्य में एक छोटी सिंचाई योजना शीघ्र ही शुरू करने का विचार है।

Embezzlements in Delhi Treasuries

4816. SHRI N. SHIVAPPA :
SHRI MEETHA LAL MEENA :
SHRI SHANKARRAO MANE :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the absence of any experienced Superintendents, S. A. S., Accounts or Treasury Officer of the Delhi Administration has resulted in the embezzlements to the extent of several thousands of rupees in the recent past ;

(b) whether the reports submitted by the respective Treasury Officers relating to the embezzlements have been examined by some experts of the Delhi Administration or the accountant-General's staff and, if so, their comments ; and

(c) whether she will lay the report on the Table of the House ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND MINISTER OF STATE, DEPARTMENTS OF ELECTRONICS AND SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH (SHRI K. C. PANT) : (a) No, Sir. All the Treasuries under the Delhi Administration ate reported to have qualified and experienced supervisory staff.

(b) and (c). The reports are being examined by the Delhi Administration in con-

sultation with the A. G. C. R. New Delhi. As soon as this examination is completed the reports of Treasury Officers will be laid on the Table of the House.

गत तीन वर्षों में उत्पादन की लागत

4817. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री नि० र० लास्कर :
श्री गाडिलिंगन गौड :
श्री अविचन :
श्री वेकन्दर सिंह गार्चा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1968-69 के उत्पादन तथा उत्पादन लागत सम्बन्धी आंकड़े क्या हैं; और

(ख) सूती कपड़ा उद्योग को सुचारु रूप से चलाने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

प्रधान मंत्री अशु शक्ति मंत्री, गृह-कार्य मंत्री और योजना मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) स्थिर (1960-61) कीमतों के आधार पर 1968-69 के दौरान भारत की प्रति व्यक्ति (321.4 रुपये) आय में 1967-68 के दौरान प्रतिव्यक्ति आय की तुलना में 0.3 प्रतिशत की कमी हुई।

(ख) 1968-69 के दौरान विभिन्न राज्यों के प्रतिव्यक्ति आय के नवीनतम उपलब्ध आंकड़े संलग्न विवरण में दिये गये हैं।

विवरण

संलग्न अलग-राज्य सरकारों द्वारा तैयार तथा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार 1968-69